आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–26 फरवरी 2025 भोजपुरी समाचार

प्रयागराज के महाकुंभ नगर में पावन त्रिवेणी के किनारे पैंतालीस दिन से चलि रहल महाकुंभ के आखिरी नहान महाशिउराति पर सरधालुअन क हुजूम उमड़ि परल हौ। संगम में आस्था क डुबकी लगवले क सिलसिला आजु तड़के से चलि रहल हौ। आखिरी नहान परब पर देस अउर दुनिया क तमाम इलाकन से सरधालु महाकुंभ नगर पहुंचल हवें। महाकुंभ में आजु संझा चारि बजे ले एक करोड़ बत्तीस लाख लोगि पवित्र संगम में नहा चुकल रहलें। एकरे सथहीं तेरह जनौरी से सुरू भइल महाकुंभ में आ के संगम में नहाये वाले सरधालुअन क संख्या पैंसठ करोड़ से बेसी हो चुकल हौ। आखिरी नहान परब के ले के प्रदेस सरकार साधु–संत अउर सरधालुअन क सुरक्षा, सुविधा अउर स्वागत क बिसेस इंतिजाम कइले हौ। संगम के किनारे अउर प्रमुख घाटन पर सरधालुअन पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसावल गइल। ओहर गोरखपुर दौरा पर रहल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में बनावल गइल कंट्रोल रूम से महाकुंभ क निगरानी कइलें। प्रयागराज महाकुंभ के ले के मुख्यमंत्री गोरखपुर में कहलें कि–

महाकुंभ प्रयागराज में अपार भीड़ है। तेरह जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ प्रयागराज आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग छांछठ करोड़ श्रद्धालुजन माँ गंगा, माँ यमुना और सरस्वती के इस त्रिवेणी में पावन डुबकी लगा करके राष्ट्रीय एकात्मकता का एक नया संदेश पूरे देशवासियों को दे रहे हैं।

दुनिया क सबसे बड़हन आध्यात्मिक अउर सांस्कृतिक समागम महाकुंभ महासिउराति के पावन परब पर प्रयागराज में आजु पूरा हो जाई।

****

प्रसार भारती बोर्ड क अध्यक्ष नवनीत सहगल कहलें कि आकाशवाणी हमेसा लोगिन के देस क संस्कृति से जोड़ले में खास भूमिका निभवले हौ। महाकुंभ के आखिरी दिन्ने अपने सनेसा में श्री सहगल कहलें कि प्रसारण में आकाशवाणी क कुंभवाणी चैनल लोगिन के बहुते परभावित कइलस।

इस विशेष चैनल कुंभवाणी ने 48 दिनों की एक छोटी सी यात्रा के दौरान बहुत लोगों को छुआ है। आम आदमी से लेकर हमारे जो वहां महात्मा–गण थे हमारे जो वहां अखाड़े आए हमारे यहां वहां जो संतजन आये हैं, उन सबसे आकाशवाणी जुड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति को जन–जन पहुंचने में आकाशवाणी की एक प्रमुख भूमिका रही है।

प्रसार भारती क मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी भी महाकुंभ के दौरान आकाशवाणी क कुंभवाणी चैनल के कोसिस क प्रसंसा कइलें।

****

देवाधिदेव महादेव के आराधना क महापरब महासिउराति आजु पूरा देस में सरधा अउर उछाह के साथे मनावल जा रहल हौ। प्रदेस भर में सज्जो सिवालयन में आजु तड़के से भगवान शंकर क दरसन–पूजन कइले अउर जलाभिषेक करे बदे सरधालुअन क लमहर कतार लागल हौ। महासिउराति के मौका पर काशी विश्वनाथ धाम में कल्हियें से सरधालुअन क हुजूम उमड़ि परल हौ। महासिउराति पर बनारस जिला क पुलिस प्रसासन सरधालुअन क सुविधा, सुरक्षा अउर सहूलियत बदे पुरहर तइयार कइले हौ। कई अखाड़न क महामंडलेस्वर अउर ढेरि संख्या में नागा साधुओ बाबा क जलाभिषेक करे काशी पहुंचलें। एगो रिपोर्ट–

महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए अधिक समय तक कपाट खोलने का फैसला किया गया है। महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में स्नानार्थी भी गंगा घाटों पर स्नान करने पहुंचे हैं। मंदिर प्रशासन तथा अधिकारियों द्वारा अखाड़ों तथा नागा साधुओं के काशी विश्वनाथ मन्दिर पहुँचने पर ढ़ोल–नगाड़े बजाकर पूरे हर्षोल्लास से पुष्प वर्षा करते हुए उनका स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के ऊपर हेलिकाप्टर से लगातार पुष्प वर्षा की जाती रही।

ओहर, महासिउराति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में रूद्राभिषेक कइले के बाद महानगर के मानसरोवर मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, झारखण्डी महादेव मंदिर अउर भरोहिया के पीतेश्वरनाथ मंदिर पहुंचि के भगवान शंकर क दरसन–पूजन अउर जलाभिषेक कइलें।

महासिउराति के मौका पर बनारस के मारकण्डेय महादेव मंदिर, अजोध्या क नागेश्वरनाथ मंदिर, संतकबीनरगर क तामेश्वरनाथ मंदिर, बस्ती क भदेश्वरनाथ, देउरिया जिला क रूद्रपुर के दुग्धेश्वरनाथ मंदिर, कुशीनगर क कुबेर स्थान शिव मंदिर के सथहीं प्रदेस भर क सिवालयन में भगवान शंकर क दरसन–पूजन अउर जलाभिषेक बदे भिन्नहियें से सरधालुअन क भीड़ि लागल हौ।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दरसन के दौरान करीब दुइ सौ लोगिन से मुलाकाति कइ के उनकर समेस्या सुनलें। सबके समाधान बदे भरोसा देत मुख्यमंत्री मौका पर मौजूद अधिकारियन के निरदेसित कइलें कि जनता क समेस्या क जुरते निस्तारण सुनिस्चित कइल जाव।

****